Hindi Bhasha Ki Aadhunik Pramanik Vartani
हिन्दी भाषा की आधुनिक प्रामाणिक वर्तनी

Author: Dr Sachidanand Shukla डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल
Format: Paperback
ISBN: 8178061988
Code: 9395B
Price: Rs. 125.00 **US$** 5.00

Publisher: Unicorn Books
Usually ships within **5** days

वर्तनी शब्द का अर्थ है – स्पेलिंग। किसी भाषा के अक्षरों को शब्द बनाने में, उनके लिखित शुद्ध अक्षर, मात्रा आदि को हिन्दी में वर्तनी कहा गया है।
हिन्दी भाषा के राष्ट्रव्यापी होने के कारण उसे देवनागरी लिपि में लिखते समय शुद्ध और मानक वर्तनी का आवश्यकता पड़ी। 19वीं शती के पूर्व हिन्दी भाषा की कोई मानक वर्तनी नहीं थी। जो जिस भाषा क्षेत्र में निवास करता था, उसी के अनुसार स्थानीय भाषा के शब्दों को ही 'मानक'मानकर प्रयोग करता था। इससे भाषा में बहुत गड़बड़ी हो रही थी।
इसी गड़बड़ी को दूर करने के लिए अनेक भाषाविदों, विद्वानों, लेखकों व प्रकाशकों का ध्यान गया और सबने अपने–अपने स्तर पर हिन्दी भाषा की मानक वर्तनी स्थिर करने के प्रयास किये, किन्तु आजतक बहुत–सी बातें सर्वमान्य नहीं हो सकी हैं।
प्रस्तुत पुस्तक में पूर्व के विद्वानों का उल्लेख करते हुए, उनके वर्तनी–निर्धारण को उल्लिखित करते हुए, उनसे कुछ ग्रहण करते हुए, कुछ अपनी मान्यता स्थापित करते हुए, हिन्दी भाषा की वर्तनी को एक मानक रूप देने का प्रयास किया गया है. जिज्ञासु पाठकों, विद्यार्थियों, प्रकाशकों, सम्पादकों व विद्वानों के लिए यह एक उपयोगी पुस्तक है।

About Unicorn Books

Unicorn Books publishes an extensive range of books that are both affordable and high-quality.